विद्युत दर्पण

पश्चिम क्षेत्रीय विद्युत समिति
गृह पत्रिका

अंक - 22 **अक्तूबर 2011 - दिसम्बर 2011**

सम्पादकीय

राजभाषा नीति अनुपालन के क्षेत्र में पश्चिम क्षेत्रीय विद्युत समिति निरंतर प्रगति पर है । निरंतर प्रयासों से ही सफलता एवं सराहना प्राप्त होती है । नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा इस कार्यालय को एवं अधिकारियों को घोषित विभिन्न पुरस्कार इसी की मिसाल है । मैं सभी विजेताओं का हार्दिक अभिनन्दन करता हूँ ।

कुछ कर दिखाने का जज्बा हो तो हर बाधा को पार करके सफलता की मंजिल मिल ही जाती है । हमारा जीवन अधिक आरामदायी और आनंदमयी करने के लिए जो यंत्रादि की खोज की गयी, उसके पीछे वैज्ञानिकों और तकनीकी निष्णातों के अथक परिश्रम थे । इसी श्रेणी की एक प्रसिद्ध शख्सियत, स्टीव जॉब्ज ने अपनी असाध्य बिमारी से लड़ते हुए 6 अक्तूबर 2011 को दुनिया से बिदा ली । कम्प्युटर से लेकर आयफोन, आय पॉड तक की क्रांति करने वाले ॲपल के संस्थापक स्टीव जॉब्स की कल्पनाशक्ति, दूरदर्शिता, जिद और कर्मठता अतुलनीय थी । जनमानस की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर एक से बढ़कर एक तकनीकी गजेट्स लाकर उसने सबका दिल जीत लिया था । इस आय-गॉड ने आय पॉड के जरिये मानो संगीत का खजाना मुट्ठी में भरने की क्षमता दी । अपने कार्य के कारण वह 'लार्जर दैन डेथ'' हो गया ।

बड़ी से बड़ी परियोजनाएँ भी छोटे - छोटे कार्यों को मिलाकर बनती है । इसलिए कोई भी कार्य छोटा नहीं होता । अपना काम पूरी निष्ठा और लगन से करके देश की प्रगति में हम अपना योगदान दे सकते हैं ।

(मनजीत सिंघ)
सदस्य सचिव

तकनीकी समाचार

- दिनांक 03.10.2011 से आरजीपीपीएल का नियंत्रण क्षेत्र महाराष्ट्र राज्य भार प्रेषण केन्द्र से पश्चिम क्षेत्रीय भार प्रेषण केन्द्र को हस्तांतरित करने एवं आरजीपीपीएल से दमन, दीव एवं दादरा नगर हवेली को शेड्यूलिंग करने का निर्णय लिया गया ।
- पश्चिम क्षेत्र में मास्टर कम्प्युनिकेशन प्लान के लिए अलग से वाणिज्यिक अनुबंध हस्ताक्षरित करने का निर्णय पश्चिम क्षेत्रीय विद्युत समिति की 18 वीं बैठक में लिया गया ।

*****

हार्दिक बधाई

- श्री एम.एम.धकाते, कार्यपालक अभियंता की दिनांक 17.11.2011 को अधीक्षण अभियंता के पद पर पदोन्नति हुई। हार्दिक बधाई !
- श्री लक्ष्मी कांत सिंह राठौर, कार्यपालक अभियंता द्वारा दिनांक 12.12.2011 से राजभाषा अधिकारी का पदभार ग्रहण करने पर हार्दिक बधाई !
- नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, उत्तर मुंबई द्वारा दिनांक 12.10.2011 को आयोजित सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में श्री ओम प्रकाश सिंह, अधीक्षण अभियंता ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया । हार्दिक बधाई !
- नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, उत्तर मुंबई द्वारा दिनांक 12.10.2011 को आयोजित निबंध प्रतियोगिता में श्रीमती तरूप्रभा शैल, हिन्दी अधिकारी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया । हार्दिक बधाई !
- नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, उत्तर मुंबई द्वारा वर्ष 2009-10 का कार्यालय को प्रथम पुरस्कार एवं श्री मनजीत सिंघ, सदस्य सचिव को 'राजभाषा सम्मान' घोषित किया गया। हार्दिक अभिनन्दन !

राजभाषा समाचार

- दिनांक 12 अक्तूबर 2011 को आयोजित हिन्दी कार्यशाला में 'पेंशन से संबंधित जानकारी' विषय पर श्रीमती नंदिनी उन्नीकृष्णन्, अवर श्रेणी लिपिक ने व्याख्यान दिया । जिसमें कार्यालय के 9 अधिकारी एवं 6 कर्मचारियों ने भाग लिया ।
- रूपांबरा द्वारा दिनांक 2 से 4 अक्तूबर 2011 तक माउंट आबू में आयोजित अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में श्री सुकुमार हानरा, सहायक निदेशक एवं श्रीमती तरूप्रभा शैल, हिन्दी अधिकारी ने भाग लिया।
- भारतीय राजभाषा परिषद् द्वारा दिनांक 19 से 21 अक्तूबर 2011 को जगन्नाथ धाम पुरी में आयोजित सम्मेलन में कार्यालय के श्री शेषकुमार सावंत, उ.श्रे. लिपिक एवं श्री शिव कुमार हरिद्वाज, हिन्दी आशु.-II ने भाग लिया ।
- हिन्दी पखवाड़ा 2011 का पुरस्कार वितरण समारोह दि. 10.10.2011 को आयोजित किया गया । इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया ।

*****

प्वाइंट ऑफ कनेक्शन (पी.ओ.सी.) पारेषण शुल्क

एम.एम. धकाते,
अधीक्षण अभियंता

के.वि.नि.आयोग द्वारा दिनांक 15.06.2010 को पारेषण शुल्क शेयरिंग नोटिफाई हो गया जो कि दिनांक 01.07.2011 से लागू हो गया है । इससे पूर्व सभी राज्यों (बेनेफिशरीज़) द्वारा पारेषण शुल्क का भुगतान ऊर्जा मंत्रालय द्वारा सभी आईएसजीएस स्टेशन से प्रत्येक क्षेत्र के राज्यों को किए गए शेयर आबंटन के अनुपात में होता था । पारेषण शुल्क शेयर करने का यह तरीका शुरूवात में तो ठीक-ठाक चल रहा था, लेकिन जैसे-जैसे नई नई पारेषण लाइनें, अंतरक्षेत्रीय लाइनें, एचवीडीसी , 765 के.वी. लाइनें आदि संस्थापित होने लगीं एवं नए-नए ट्रांसमिशन लाइसेंस मिलने लगे, पारेषण शुल्क शेयर करने का यह तरीका असफल एवं कम कारगर लगने लगा । इस तरीके में आईएसजीएस स्टेशन से राज्य का अंतर एवं बिजली वहन की दिशा का कोई विचारण नहीं था इसलिए आईएसजीएस स्टेशन का एवं राज्य का लोकेशन कहीं भी हो, पारेषण शुल्क समान ही लगता था और यह एक बड़ी खामी थी ।

इस खामी को दूर करने हेतु के.वि.नि.आयोग द्वारा दिनांक 15.06.2010 को जो रेगुलेशन लाया गया जो कि प्वाइंट ऑफ कनेक्शन पर आधारित है, पारेषण शुल्क का यह तरीका प्रत्येक राज्यों एवं बायर का जनरेशन एवं सेलर का शेयर, ड्रावल या इँजैक्शन, दिशा, स्थान-ठिकाना, वोल्टेज लेवल आदि पर आधारित है ।

भारत की विद्युत प्रणाली में पावरग्रिड सबसे बड़ा पारेषण लाइसेंसी है । इसके अलावा रिलायंस ट्रांसमिशन, जे.पी.पावरलिंग आदि छोटे एवं नए पारेषण लाइसेंसी ने अपनी-अपनी लाइनें संस्थापित की हुई हैं, जिनकी हिस्सेदारी पावरग्रिड के मुकाबले काफी कम है । इसके अलावा राज्य पारेषण की कुछ लाइनें हो सकती हैं जो कि दूसरे किसी राज्य के आईएसजीएस पावर वहन हेतु उपयोग में लायी जा सकती हैं और जिनके पारेषण शुल्क की भी गणना करना जरूरी हो गया है । पारेषण शुल्क की गणना करने के इस नए तरीके में एन-ई-डब्ल्यू एवं एसआर ग्रिड के शुल्क अलग-अलग निकाले गए हैं । हर बड़े राज्य एवं जनित्र को अलग झोन बनाया गया है एवं संपूर्ण नेटवर्क को 400 केव्ही पर ट्रंकेट कर समतुल्य लोड या जनरेशन (इंजैक्शन) की गणना की गई है । हर झोन में कुछ नोड होते हैं । हर नोड के पारेषण शुल्क वहाँ उपलब्ध कनेक्टेड लोड या इंजैक्शन को बाकी सारे इंजैक्शन या नोड पाइंट तक ट्रेस करके निकाले जाते हैं । इस तरह से हर एक नोड, झोन, राज्य एवं जनरेटर के इंजैक्शनया या एप्रुवड ड्रावल एवं शुल्क निश्चित किये जाते हैं ।

यह पीओसी पारेषण शुल्क पहले दिनांक 01.01.2011 से लागू होने थे लेकिन उपरोक्त गणना करने हेतु जो डाटा चाहिए था वह पूरी तरह उपलब्ध न होने के कारण यह शुल्क दिनांक 01.07.2011 से प्रभावित हो गये । अलग-अलग राज्यों के शुल्क में काफी अंतर होने की वजह से उपरोक्त पीओसी शुल्क के 3 स्लैब बनाए गए और यह शुल्क पूरी तरह लागू हो गये ।

पीओसी शुल्क के साथ-साथ पीओसी डेवियेशन चार्जेस भी लागू कर दिए गए जो डीआईसी अपने एप्रुवड इंजैक्शन या ड्रावल से ज्यादा ऊर्जा इंजैक्ट या ड्रा करता है उसे पीओसी शुल्क के बराबर या 1.25 गुणा शुल्क देना पड़ता है। हालांकि राज्यों या बेनेफिशरी द्वारा डेवियेशन होने पर उन्हें खुद पारेषण डेवियेशन शुल्क देना पड़ता है लेकिन रेगुलेशन में यह प्रावधान है कि जनरेटिंग डीआईसी द्वारा डेविएशन होने पर डेवियेशन शुल्क उनके शेयर के हिस्सेदारों को देय होता है । पारेषण शुल्क में अभी राज्यों की लाइनें जो औरों के ऊर्जा ड्रावल के उपयोग में आ रही है उनकी शिनाख्त का प्रयास और तरीके जारी हैं । ऐसी आशा है कि अमेंडमेंट्स के साथ पीओसी पारेषण शुल्क अगले इस साल के अँत तक पूरी तरह लागू हो जाएगा ।

****

तन रत्न

शेष कुमार सावंत,
उच्च श्रेणी लिपिक

तन के सब रत्न बहुमूल्य
हर एक करे कर्म अमूल्य ।

पाँव चले, पाँव दौड़े,
अपनी मर्यादा सम्भलकर रहें ।

गोद में बचपन गुजरता,
ममता भरा प्यार मिलता ।

पेट तो जैसे गोदाम होय,
खाद, स्वाद और राज़ छुपाये ।

सीना जब तन जाता,
देश प्रेम की आस जगाता ।

दिल तो सीने में छुपता,
दिल वाले काम करवाता ।

दोनों हाथों का है गुण अनोखा,
लेन-देन का कार्य निभाना ।

गर्दन है अभिमान प्रणित,
संस्कृति सजाये गर्व सहित ।

मुँह से संगीत गुनगुनाना,
सत्य वचन और भावुक होना ।

कानों से है सब सुनना,
सदा, सर्वदा सतर्क रहना ।

आँखों में सब कुछ दिखता,
खुली रखो तो ज्ञान लेता ।

मस्तिष्क से नसीब का तालुक,
आबादी, बर्बादी का संयोग ।

नम्रता से झुकाकर शीश,
बुजुर्गों के ले आशीष ।

मन चंचल, भ्रमर अस्थिर,
नित योगाभ्यास करे स्थिर ।

****